Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	04
Issue	4th October 2017

पंजाब केसरी

एमथ्रीएम लगाएगा 14 हजार पौधे

गुड़गांव, 3 नवम्बर (ब्यूरो): गुड़गांव में लगातार घट रहे हरियाली के लिए काफी हद तक जिम्मेदार रियल एस्टेट कारोबार का फैलाव है।जिसे लेकर राष्ट्रीय हरित न्यायालय और विभिन्न सरकारी अभिकरण समय-समय पर चिंता प्रगट करते रहेहैं।सरकार के नियमों और एनजीटी के आदेशों के अनुपालन में एमथ्रीएम समूह ने बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान शुरू किया है जिसके तहत अब तक 8 हजार से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। जबकि 14 हजार और पौधे लगाए जाने हैं।रोपित किए गए पौधों में आम, जामुन, बेल पत्तर आदि हैं।

कुछ सजावटी पौधे जैसे कि डेट पॉम, वाभशगटनिया पाम और रॉयल पाम भी लगाए गए हैं।इसके अलावा कुछ विदेशी प्रजाति जैसे कि एकेसिया औरिकुलीफॉर्मिस, अल्स्टोनियास्कोलोरिस, कैसिया फिस्टुला जैसे पौधे भी लगाए जा रहे हैं। इन पौधों की खास विशेषता है कि ये भूजल का कम दोहन करते हैं और विपरीत हालात में भी अपने अस्तित्व की रक्षा कर लेते हैं।पर्यावरण विज्ञान के मुताबिक 10 हजार पेड़ 20 हजार मानव जीवन को पर्याप्त ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।

Publication	Human India
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	04
Issue	4th October 2017

ह्यूमन इंडिया

पौधारोपण अभियान के तहत एम3एम पूरे गुरुग्राम में लगाएगा 14 हजार से अधिक वृक्ष

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। भारत के प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी में से एक एम3एम ने गुरुग्राम में एक वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत एम3एम अपने परियोजना स्थलों और इसके आस पास 14,000 से अधिक वृक्ष लगाएगा और साथ ही इसकी देखभाल भी करेगा इसके अंतर्गत पिछले आठ महीनों में 8000 पौधे लगाए जा चुकें हैं एम3एम ग्रुप अपनी कॉर्पोरेट सोशल रेसपोंसिबिलिटी (सीएसआर) गतिविधियों के रूप में समाज के विकास में एक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। लगाए गए वृक्षों में आम, जामुन, बेल पत्र आदि जैसे फल के पेड़ लगाए गए हैं। कुछ सजावटी वृक्ष जैसे कि डेट पाम, वाशिंगटनिया पाम और रॉयल पाम भी लगाए गए हैं इसके अलावा कुछ विदेशी प्रजातियाँ जैसे कि एकेसिया ओरिकुलोफॉर्मिस, अल्स्टोनियास्कोलोरिस, कैसिया फिस्टुला शामिल है। लगाए गए वृक्षों में कुछ ऐसे प्रजातियाँ हैं जो न केवल लचीला हैं बल्कि कम पानी भी खाती हैं। एक आकड़ें के अनुसार, दस हजार परिपक्व पेड़ एक शहर के 20,000 निवासियों के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।

वृक्षारोपण अभियान सेक्टर 111/113, 107 और 65/66 के सड़कों पर किया गया है। पहले चरण में, एल्स्टनिया, गुलमोहर, कचनार, नीम जैसे स्वदेशी प्रजातियों को हरियाणा सरकार के साथ मिलकर लगाया गया है।

सेक्टर 65/66 सड़क पर, एम3एम ने ग्रीन बेल्ट्स के सौंदर्यीकरण का कार्य किया है। इस मौके पर एम3एम के प्रवक्ता ने बताया कि, लैंडस्केप सौंदर्यीकरण शहर में बड़े स्तर पर किया जाना चाहिए। साथ ही, यह समय आ गया है कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर इको-सिस्टम के संतुलन को फिर से बहाल किया जाए। हम स्वदेशी वृक्षों और पौधों के रोपण को बढ़ावा देते हैं, जो स्थानीय पर्यावरण के लिए उपयुक्त है। हम इस पहल के माध्यम से उम्मीद कर रहें हैं कि वृक्ष प्रेमियों और पौधे लगाने वालों को प्रोत्साहित कर सकें, जो हरियाली को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहतें हैं।

http://newsmantra.in/city/nm-gurugram/1981-m3m-boost-for-gurugram-s-green-cover

M3M boost for Gurugram's Green Cover

India's leading developer, M3M Group, has launched a massive tree plantation drive in Gurugram. Under the ambitious project, the real estate major in a period of one year aims at planting more than 14,000 tress in and around its project sites. Of the total proposed, 8,000 saplings have already been planted over the last eight months. The Group is known for playing an active role towards contributing to sustainable development of society as part of its Corporate Social Responsibility (CSR) activities.

The trees that have been planted include native species like Acacia auriculiformis, Alstoniascholoris, Azadirachtaindica, Cassia fistula, Ficusinfectoria, Plumeriaalba, etc. and fruit trees like Mango, Jamun, Bel Pathar, etc. These are in addition to the ornamental trees like Date Palm, Washingtonia Palm and Royal Palm. What makes this drive sustainable and enduring is the choice of saplings planted. The list has species that are not only resilient but consume less water as well. Translated into figures, what it means is environmental positives. Close to 10,000 trees planted over 35 acres sequester nearly 87 MT of CO_2 annually. Ten thousand mature trees provide enough oxygen for 20,000 inhabitants of a city.

The plantation drive has been carried out by M3M at sectors 111/113, sector 107 and sectors 65/66 road. At the first location, indigenous species like Alstonia, Gulmohar, Kachnar, Neem have been planted in association with the Haryana Government. The Group has also planted Ashoka trees along the perimeters of its project in sector 107, M3M Woodshire. On the sector 65/66 road, M3M has undertaken the task of beautification of Central verge and Green Belts. The Group has a huge presence in this blue chip destination of the city and the onus undertaken by the Developer for the beautification of this particular area is extraordinary.

"Landscape beautification should be undertaken on a large scale in an urban milieu. Also, it is time to reverse deforestation trends and restore the balance of ecosystem. We strongly promote the planting of indigenous trees and plants that are appropriate to the local environment. We sincerely hope that through this initiative, we have been able to mobilize and encourage passionate tree planters and lovers who aim to work towards preventing loss of green covers and promoting afforestation ," said the M3M Spokesperson on the plantation drive.